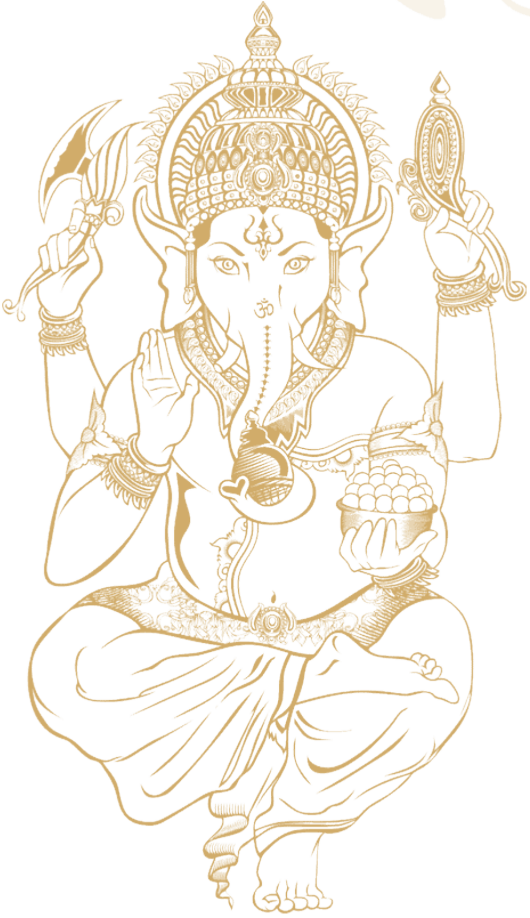

Parshant kumar

28 Jul 1996

12:00 PM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120615602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/07/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	16:59:21 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:11:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:21 घंटे
सूर्योदय	05:12:15 घंटे
सूर्यास्त	18:37:12 घंटे
दिनमान	13:24:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:38:58 कर्क
लग्न के अंश	10:59:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:59:30	316:05:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कर्क	11:38:58	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	10:40:42	14:59:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	07:52:16	00:40:18	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	28:48:19	01:44:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	16:05:35	00:06:15	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			वृष	28:26:15	00:42:10	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	13:30:55	00:00:57	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	16:29:46	00:08:20	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:29:46	00:08:20	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	08:40:35	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:17:53	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:34:18	00:00:26	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	12:53:14	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:38

लग्न-चलित

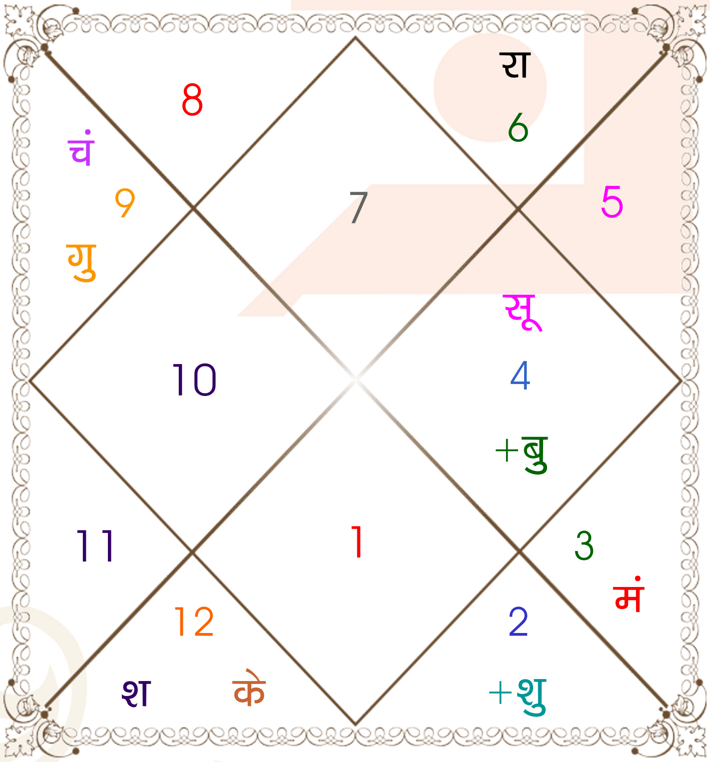

चन्द्र कुंडली

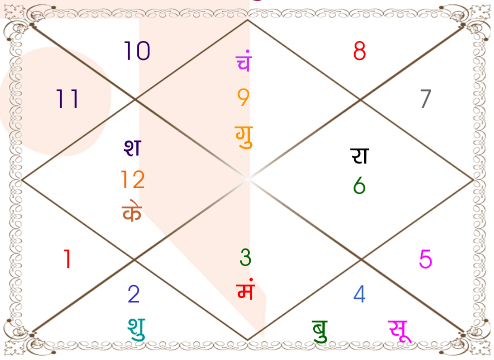

नवमांश कुंडली

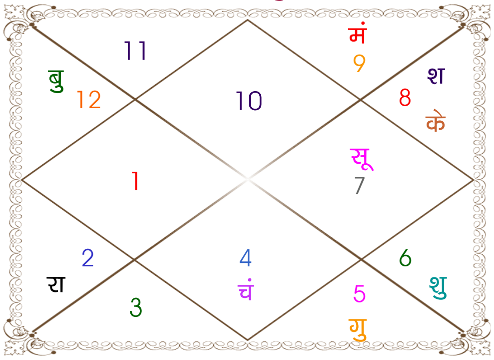

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/07/1996		19/12/1997		19/12/2017		20/12/2023		19/12/2033	
19/12/1997		19/12/2017		20/12/2023		19/12/2033		19/12/2040	
	00/00/0000	शुक्र	20/04/2001	सूर्य	08/04/2018	चंद्र	19/10/2024	मंगल	17/05/2034
	00/00/0000	सूर्य	20/04/2002	चंद्र	07/10/2018	मंगल	20/05/2025	राहु	05/06/2035
	00/00/0000	चंद्र	20/12/2003	मंगल	12/02/2019	राहु	19/11/2026	गुरु	11/05/2036
	00/00/0000	मंगल	18/02/2005	राहु	07/01/2020	गुरु	20/03/2028	शनि	19/06/2037
	00/00/0000	राहु	18/02/2008	गुरु	25/10/2020	शनि	19/10/2029	बुध	17/06/2038
	00/00/0000	गुरु	19/10/2010	शनि	07/10/2021	बुध	21/03/2031	केतु	13/11/2038
	28/07/1996	शनि	19/12/2013	बुध	14/08/2022	केतु	20/10/2031	शुक्र	13/01/2040
शनि	22/12/1996	बुध	19/10/2016	केतु	19/12/2022	शुक्र	19/06/2033	सूर्य	20/05/2040
बुध	19/12/1997	केतु	19/12/2017	शुक्र	20/12/2023	सूर्य	19/12/2033	चंद्र	19/12/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/12/2040		19/12/2058		19/12/2074		19/12/2093		20/12/2110	
19/12/2058		19/12/2074		19/12/2093		20/12/2110		00/00/0000	
राहु	01/09/2043	गुरु	06/02/2061	शनि	22/12/2077	बुध	17/05/2096	केतु	18/05/2111
गुरु	25/01/2046	शनि	20/08/2063	बुध	31/08/2080	केतु	14/05/2097	शुक्र	18/07/2112
शनि	01/12/2048	बुध	25/11/2065	केतु	10/10/2081	शुक्र	15/03/2100	सूर्य	22/11/2112
बुध	20/06/2051	केतु	01/11/2066	शुक्र	10/12/2084	सूर्य	19/01/2101	चंद्र	24/06/2113
केतु	07/07/2052	शुक्र	02/07/2069	सूर्य	22/11/2085	चंद्र	21/06/2102	मंगल	20/11/2113
शुक्र	08/07/2055	सूर्य	20/04/2070	चंद्र	23/06/2087	मंगल	18/06/2103	राहु	08/12/2114
सूर्य	01/06/2056	चंद्र	20/08/2071	मंगल	01/08/2088	राहु	04/01/2106	गुरु	14/11/2115
चंद्र	01/12/2057	मंगल	26/07/2072	राहु	08/06/2091	गुरु	11/04/2108	शनि	29/07/2116
मंगल	19/12/2058	राहु	19/12/2074	गुरु	19/12/2093	शनि	20/12/2110		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।